अंतिम डिक्री

(आदेश 20 के नियम 6 और 7)

न्यायालय सहायक कलक्टर (SDO) भीण्डर, जिला–उदयपुर

पीठासीन अधिकारी: श्री रमेश चन्द्र बहेडिया,R.A.S

राजस्व वाद संख्या : 85/24 (वाद)

GCMS NO: 2024/252

अनवान

1. श्री लोकेश मेघवाल पिता हरिराम मेघवाल जाति मेघवाल निवासी निमडी तहसील भीण्डर जिला उदयपुर राज.।

..........वादी

बनाम

1. श्री मांगीलाल पिता भगा सालवी जाति सालवी जाति सालवी निवासी चारगदिया तहसील भीण्डर जिला उदयपुर राज.।
2. श्री वरदीचन्द पिता भगा सालवी जाति सालवी निवासी चारगदिया तहसील भीण्डर जिला उदयपुर राज.।
3. श्रीमती कंकुबाई पुत्री भगा पत्नी छोगालाल सालवी जाति सालवी निवासी चारगदिया तहसील भीण्डर जिला उदयपुर राज. हाल निवासी चाकुडी तहसील भूपालसागर जिला चित्तौडगढ राज.।
4. श्री राज्य सरकार भूमिधारी जरिये तहसीलदार साहब भीण्डर जिला उदयपुर राज.।

..........प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 53, 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम

अधिवक्ता वादी की उपस्थिति में इस वाद में आज तारीख 14.07.2025 को श्री रमेश चन्द्र बहेडिया R.A.S. सहायक कलक्टर के समक्ष अन्तिम निपटारे के लिए पेश होने पर, आदेश किया जाता है और डिक्री दी जाती है कि मौजा चारगदिया पटवार हल्का चारगदिया भू–अभिलेख निरिक्षक क्षैत्र भीण्डर तहसील भीण्डर जिला उदयपुर राज. की निम्न आराजियात का बटवाडा निम्नानुसार अंतिम किया जाता है :–

क्र.सं.	खातेदार का नाम	आ.न.	रकबा	किस्म	लगान
1	लोकेश मेघवाल पुत्र हरिराम मेघवाल सा. देह खातेदार	920/1	0.08	बा.द्वि.	0.40
		920/3	0.05	बा.द्वि.	0.25
		921/1	0.08	बा.द्वि.	0.40
		922/1	0.07	बा.प्र.	0.63
		922 मी.	0.04	बा.प्र.	0.36
		923/1	0.05	बा.द्वि.	0.25
		923 मी.	0.06	बा.द्वि.	0.30
	योग	किता 7	0.4300	–	2.59
2.	मांगीलाल पुत्र भग्गा 1/3 सालवी, वरदीचन्द पुत्र भग्गा 1/3 सालवी, कंकु बाई पुत्री भग्गा 1/3 सालवी सा. देह खातेदार	920/2	0.05	बा.द्वि.	0.25
		921 मी.	0.05	बा.द्वि.	0.25
		922/2	0.05	बा.प्र.	0.45
		923/2	0.05	बा.द्वि.	0.25
	योग	किता 4	0.2000	–	1.20
3.	लोकेशकुमार मेघवाल पुत्र हरिराम 2/3 जाति मेघवाल सा. देह, मांगीलाल पुत्र भगा 1/9 सालवी, वरदीचन्द पुत्र भगा 1/9 सालवी, कंकुबाई पुत्री भगा 1/9 सालवी सा. देह	920 मी.	0.02	बा.द्वि.	0.10
	योग	किता 1	0.0200	–	0.10

नोट– उक्त अंतिम डिक्री का नक्शा ट्रेस अभिन्न अंग रहेगा। खातेदार [illegible] अपना–अपना [illegible] करेंगे। अन्तिम डिक्री अनुसार राजस्व रेकर्ड में अमल दरामद किया जावे। पत्रावली फैसल शुमार होकर [illegible] नम्बर से कम हो। निर्णय खुले न्यायालय सुनाया गया।

Signature Not Verified
Digitally signed by Ramesh Chandra Bahediya
Date: 2025.09.16 16:03:11 IST
Reason: SelfAttested